

आचार्य महाराज, अहमदाबाद

जन्मदिनांक 17/11-12

पुस्तकें प्रकाशित कराईं वगैरें जगदेव लाल

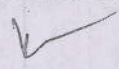
आदेश

23.2.15

प्रस्तुत वाद श्री कुंभार उपकारण, गोगरी के पत्र 605 दिनांक-26.11.12 को अनुसंधान कराई प्रालय हुआ है।

उक्त पत्र में नोटिस देते हुए मैं उक्त पत्र के विद्वान् आचार्य महाराज की विचारों के पुनः परीक्षण के लिए दायित्व संभालने का भी आश्वासन दिया, विद्वान् श्री कुंभार उपकारण ने भी उक्त पत्र में पुनः, उक्त के लिए दायित्व संभालने, 2080, अथवा 1721वाँ एवं आचार्य महाराज, जिनके का नाम परिवर्तन एवं दायित्व - नोटिस नं. 52/86-87 के आश्वासनोपरान्त निरकालितन दिने अन्य दिनांक है।

(1) प्रागतिक उक्त आचार्य महाराज को सिद्धान्त सिद्ध करने वाद नं. 786/1979 में प्रालय आदेश के आधारे पर को.का. वाद नं. 52/86-87 में आदेश प्रालय का विषयों के गणित



Review for entry on 23/2/15

जमानदी ७.१०५४ के विषय गंगा है, जबकि प्राचीन उच्च न्यायालय परत का द्वारा प्राथम आदेश में शोधदेव को के लका को-लगाए किता गंगा है एवं उक्त आदेश में उक्त बात के संबंधित जमान का कोई जिक्र नहीं है। अतः प्राचीन उच्च न्यायालय, परत के आदेश के आधार माफक विपरीत के गति के जमानदी के उक्त बात लीच नहीं है।

(ii) आदेश द्वारा कई तरह का केवाला जो-जद व विक्रम के संबंधित के अनजान के भी अतः प्रमाणित होता है कि द्वितीय पक्ष के पिता लक्ष्मी को, को-माहक को के उक्त पुत्र है जैसा कि केवाला में वर्णित है। अतः वर्ष १९५१ के दस्तावेज के भी स्पष्ट है कि लक्ष्मी को के गोद लिया है।

(iii) जहां तक लख न्याय ७.२४/१९९४ का केवाल है वह शोधदेव लख के संबंधित है व विपरीत के गति के जमानदी ७.१०५४ प्राचीन उच्च न्यायालय द्वारा प्राथम आदेश को आधार माफक अतः उक्त के वि-के विषय गंगा है जो अवैध है।

बिहार भूमि सुधार अधिनियम, गौरी नं-
 पाठ पृष्ठ ५ वगैरे २०० के आदेश में
 विषय के गठन यल २३) पानेदी ३.१०४९
 २६ कलें एवं आवक के पिता अनुपनाम
 ५०२ के पानेदी ३.३९४ को जो २२वा
 १५५६६ खाल्ड डोर पानेदी ३.१०४९
 ५६ गमा है २५ २२वा ६१४ ५६ पानेदी
 पुनः पानेदी ३.३९४ पर ११२२ पानेदी
 ३.१०४९ को सुधार कलें की अनुपनाम
 भेजा है।

अतः बिहार भूमि सुधार अधिनियम,
 गौरी नं- ११९ के अन्तर्गत में
 उपलब्ध कागजातों के आधार
 पर २३) प्रतीत होता है। पण्डित
 (विवाद) भूमि के जोर कागजात
 के बीच स्वतंत्रता ३.२८/१९९८ यल
 २२) जो उपलब्ध स्वतंत्रता भी कलें
 है। अतः न्याय की दृष्टि से
 स्वतंत्रता के अन्तर्गत में
 आवक को-पानेदी में सुधार
 कलें हेतु प्रतीक्षा कलें चाहिए,
 जो आवक के अन्त
 वाद की कार्रवाई समाप्त की
 जाती है।



२५/११/१५
 अमल पानेदी,
 खगड़िया

दिनांक - ११/११/१५ - ३।३.२०१५
 प्रतिलिपि :- भूमि सुधार उप समादेश गौरी नं- ११९
 अन्तर्गत में अनुपनाम विषय /
 अन्तर्गत में N.C. खगड़िया की सुधार कलें में
 ३.१०४९ पर ११२२ पर आधारित कलें विषय /

19.11.15

अमल पानेदी

